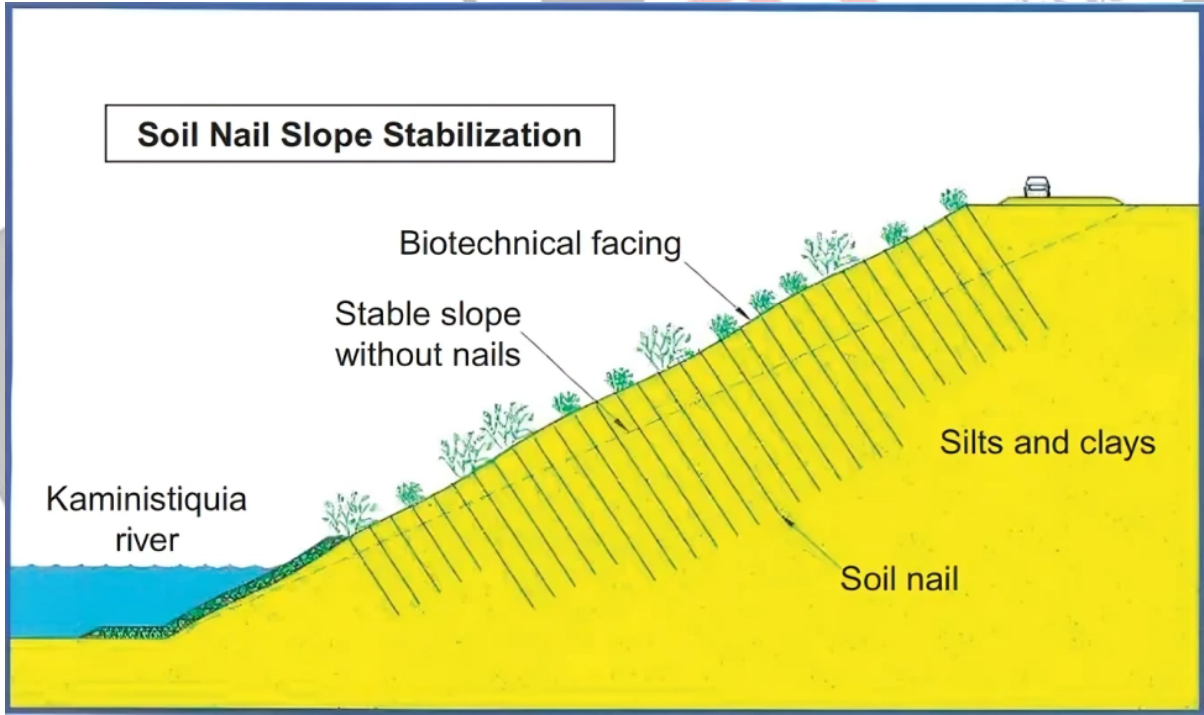


भूस्खलन की रोकथाम के लिये मृदा की सफाई और हाइड्रोसीडिंग

स्रोत: द द्रिष्टि

पारस्थितिक रूप से नीलगिरी क्षेत्र में लगातार हो रही भूस्खलन की समस्याओं के समाधान हेतु राज्य राजमार्ग विभाग मृदा की सफाई (Soil Nailing) और हाइड्रोसीडिंग तकनीक का उपयोग करके एक स्थायी 'हरति' समाधान लागू कर रहा है।

- सॉइल नेलिंग (Soil Nailing) एक भू-तकनीकी इंजीनियरिंग तकनीक है जिसमें मृदा को मजबूत करने और मृदा के कटाव को रोकने के लिये इसमें मजबूत तत्त्वों को शामिल किया जाता है।
- सॉइल नेलिंग प्रक्रिया के बाद, 'हाइड्रोसीडिंग' वधि लागू की जाएगी, जिसमें घास और पौधों के विकास को सुवर्धन बनाने के लिये मृदा पर बीज, उर्वरक, जैविक सामग्री एवं जल के मश्रिम का अनुप्रयोग शामिल है।
 - भारत की कुछ स्थानीय प्रजातियाँ सहित घास की लगभग पाँच प्रजातियाँ ढलानों के किनारे उगाई जाएंगी।
 - हाइड्रोसीडिंग पूरी होने के बाद घास के रखरखाव की ज़िम्मेदारी राजमार्ग विभाग की होगी।
- सॉइल नेलिंग और हाइड्रोसीडिंग के माध्यम से भूस्खलन को रोकने का यह 'हरति' समाधान पारस्थितिक रूप से संवेदनशील नीलगिरी क्षेत्र में सड़कों जैसे रैखिक बुनियादी ढाँचे के प्रभाव को कम करने में मदद करेगा।



और पढ़ें: [भूस्खलन के प्रति अनुकूलन](#)